खुरपका मुंहपका रोग एवं बकरी प्लेग (पी.पी.आर.) के पर्वतीय क्षेत्रो में रोकथाम हेतू जागरुकता शिविर

मुक्तेश्वर *29* सितंबर :- भा.कृ.अनु.प.- खुरपका मुंहपका रोग निदेशालय, मुक्तेश्वर एवं भा.कृ.अनु.प.- भारतीय पशुचिकित्सा अनुसंधान संस्थान, मुक्तेश्वर के संयुक्त प्रयास से दिनांक 29 सितंबर, 2021 को ग्राम दियारी, ब्लाक रामगढ़, जिला नैनीताल में एक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का शीर्षक था- **खुरपका मुंहपका रोग एवं बकरी प्लेग (पी.पी.आर.) के पर्वतीय क्षेत्रो में रोकथाम ।** कार्यक्रम मे कुल 27 अनुसूचित जाति पशुपालकों ने सहभाग लिया। इस कार्यक्रम का आयोजन संस्थान के वैज्ञानिकों द्वारा किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत में ग्राम प्रधान जी ने ग्राम में जानवरों की आबादी, पशुपालन संचालन-कठिनाईयों के बारें में संक्षिप्त जानकारी दी। इस कार्यक्रम में डा. सागर अशोक खुलापे, वैज्ञानिक ने बड़े तथा छोटे पशुओं मे होने वाली बीमारी खुरपका मुंहपका रोग का संक्रमण, रोकथाम, उपचार, टीकाकरण के बारे में पशुपालकों से अपने विचार प्रकट किए। साथ ही उन्होने खुरपका मुंहपका रोग रोकथाम हेतु छह महीने के अंतराल मे गायों तथा भैंसो में टीकाकरण की अनिवार्यता स्पष्ट की। डा. चन्द्रकान्त जाना, प्रधान वैज्ञानिक ने पशुपालकों को गोठ एवं पशुओं के मुंह पर होने वाले छालों/ घावों को निर्जंतुकीकरण प्रक्रिया की जानकारी दी। साथ ही उन्होंने सभी पशुपालकों से भारत सरकार द्वारा जारी पशुरोग नियंत्रण में अपने पशुओं का टीकाकरण कर योगदान देने का अनुरोध किया। कार्यक्रम मे आगे किसानों को 'पोटाश का पानी में घोल' बनाने की प्रकिया का प्रदर्शन किया गया। इसी क्रम में, डा.अमोल गुरव, वैज्ञानिक, भा.कृ.अनु.प.- भारतीय पशुचिकित्सा अनुसंधान संस्थान, मुक्तेश्वर ने कार्यक्रम में छोटे पशुओं में होने वाली बकरी प्लेग रोग के संक्रमण, निदान, रोकथाम और नियंत्रण के बारे में जानकारी दी।

वैज्ञानिकों ने व्याख्यान के बाद किसानों के पशुपालन संबंधीत सवालों पे चर्चा की गई। कार्यक्रम मे किसानों को संस्थान द्वारा प्रस्तुत प्रसारशिक्षा-पुस्तिका का वितरण किया गया। जिसका शीर्षक "**खुरपका मुंहपका रोग नियंत्रण मे पशुपालकों का महत्त्व"** है। कार्यक्रम के अंत मे सभी पशुपालकों

को अनुसूचित जाति उपयोजना (2021) के अन्तर्गत सामान्य उपयोग हेतु आवश्यक कीटाणुनाशक उपलब्ध कराये गये। पूर्ण कार्यक्रम कोविड-19 के जारी दिशानिर्देशकों के अनुसार आयोजित किया गया।

ग्राम दियारी में जागरुकता शिविर का आयोजन